नाको समाचार

National AIDS Control Organisation
India's Voice against AIDS
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India
www.naco.gov.in

अक्टूबर– दिसंबर 2016 खंड X अंक 10

विश्व एड्स दिवस

Beti Bachao Beti Padhao

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
Swachh Bharat Abhiyan

Chalo Banaayein Swasth Bharat

AIDS Helpline 1097

अनुक्रमणिका

मुख्य लेख

विश्व एड्स दिवसः एच.आई.वी. की रोकथाम के लिए हाथ खड़ा करें..5-8

कार्यक्रम

पी.एल.एच.आई.वी. के लिए सामाजिक सुरक्षा पहचान कार्ड का लोकार्पण..9

ब्रिक्स एच.आई.वी. और टी.बी. कार्यशाला 10

चैम्पियनों –एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले बच्चों के साथ एक वार्ता 11

"रक्त हम सबको जोड़ता है" – रक्तदान महाशिविर...12

राज्य स्तरीय जी.आई.पी.ए. सम्मेलन 13

"ब्लड बैंकों में गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों का सुदृढ़ीकरण" के संबंध में मास्टर ट्रेनर्स हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला.. 14

राज्य

मेघालय...15

गोवा.. 16

अनाथ सी.एल.एच.आई.वी. के लिए एक घर – चेतनाकुँर..17

समारोह

भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2016 – आई.टी. पहलों का प्रदर्शन... 18

असम, ओडिशा, पश्चिम बंगाल 19

पंजाब, मणिपुर, मेघालय, राजस्थान, कर्नाटक.. 20

गोवा, महाराष्ट्र.. 21

सफलता गाथा

ए.आर.टी. पर दस लाख मरीजों तक का सफर.. 22-23

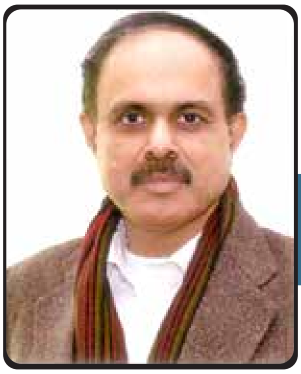

संरक्षक की कलम से

प्रिय पाठक,

मुझे नाको समाचार में अपने विचार साझा करते हुए अत्यधिक प्रसन्नता हो रही है। जैसा कि हम सब जानते हैं, यह सूचनापत्र एक संगठन की परिदृष्टि और लक्ष्यों का प्रतिबिंब है।

नाको समाचार, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से एक तिमाही प्रकाशन है जो इस संगठन की उपलब्धियों, कठिनाइयों, चुनौतियों और समर्पण को परिलक्षित करता है। नाको ने एक ऐसे भारत की परिदृष्टि के साथ, जहां एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले प्रत्येक व्यक्ति उत्कृष्ट देखभाल तक पहुँच रखता है और उसका इज्जत के साथ इलाज किया जाता है, एक असाधारण कार्य किया है। एच.आई.वी. / एड्स के लिए कारगर रोकथाम, देखभाल और सहायता एक ऐसे परिवेश में संभव है जहाँ मानवाधिकारों का सम्मान किया जाता है और जहाँ एच.आई.वी./एड्स से संक्रमित या पीड़ित लोग कलंक एवं भेदभाव से मुक्त जीवन जीते हैं।

सूचनापत्र के इस संस्करण में राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों से महत्त्वपूर्ण लेखों को सम्मिलित किया गया है। वर्तमान संस्करण में नाको द्वारा दिल्ली में जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम में विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक महासमारोह के बारे में लेख को सम्मिलित किया गया है जिसमें श्री जगत प्रकाश नड्डा, माननीय केन्द्रीय मंत्री, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार मुख्य अतिथि थे। विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न गतिविधियाँ को कार्यक्रम, समारोह और राज्यों से संबंधित भागों के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है।

इस साल हम एड्स के विरुद्ध अपने संघर्ष को अपेक्षाकृत नई बुलंदियों पर पहुंचाने के लिए कुछ नव प्रवर्तनों को आजमाएंगे। इन विचारों के साथ, मुझे पूरी आशा है कि नाको समाचार पाठकगण को अत्यधिक प्रोत्साहित करेगा और नवीनतम जानकारी से अवगत कराएगा।

सभी विचारक और लेखक आगामी संस्करण के लिए अपने लेखों को साझा करने के लिए स्वतंत्र हैं। आप सभी को आगामी जगमग वर्ष की शुभकामनाएं!

डॉ. अरुण के. पांडा,
अपर सचिव, एवं महानिदेशक (नाको),
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

संपादक की कलम से

कमर कसने का समय आ गया है!

2016 समाप्त और 2017 आरंभ होने के साथ, यह सहज बात है कि हमें पलट कर नजर डालनी चाहिए और आत्मविश्लेषण करना चाहिए कि हम कहाँ पहुँचे हैं और अभी हमें कितनी दूरे जाने की आवश्यकता है।
यद्यपि नए संक्रमणों और एड्स से जुड़ी मौतों में लगातार गिरावट सही दिशा में अग्रसर होने का संकेत है, तथापि वहाँ नई चुनौतियाँ और परियोजना संबंधी बाधाएं उभर रही हैं। बहरहाल, मुझे पूरा विश्वास है कि नया साल अधिक तेजी से अग्रसर होने और कार्यों को अलग विधि से करने के नए अवसर अवश्य लेकर आएगा।
सात लाख पी.एल.एच.आई.वी. को अपनी स्थिति विदित नहीं होना गंभीर चिंता का विषय है और इसका प्राथमिकता से निवारण किए जाने की आवश्यकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि उन सभी लोगों को जिन्हें उनकी स्थिति विदित होने की आवश्यकता है, उन्हें यह अनिवार्यतः विदित हो और वे लोग एच.आई.वी. / एड्स परियोजना के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं को पूर्णतया उपयोग करें, प्रत्येक राज्य, प्रत्येक क्षेत्र, प्रत्येक समुदाय को क्षेत्रीय और स्थानीय कार्यनीतियाँ सामने लानी होंगी।

50 प्रतिशत से अधिक गर्भवती महिलाओं द्वारा जांच नहीं करवाना और इस कारण उन्हें अपनी स्थिति विदित नहीं होना अस्वीकार्य है। दीर्घकालिक विकास लक्ष्य के रूप में 2020 तक माँ से बच्चे को संचारण का उन्मूलन और 2030 तक एड्स को समाप्त करने के लक्ष्य के साथ, हमें तत्काल अपनी कमर कसने की आवश्यकता है। किशोर–किशोरियों की रक्षा करने, जांच के लिए सभी तक पहुँचने, सभी पात्र व्यक्तियों को उपचार के साथ जोड़ने और सभी के द्वारा अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए विशालकाय शैक्षणिक परियोजना कुछ–एक सर्वोपरि प्राथमिकताएं हैं और कार्यक्षेत्र में कार्यकर्ताओं की सक्रिय प्रणबद्धता की अपेक्षा रखती हैं। अतिरिक्त प्रयास करना समय का तकाजा है।

अभी भी व्याप्त एक अन्य प्रमुख मसला स्वास्थ्य देखभाल प्रतिष्ठानों, शैक्षणिक संस्थानों और कार्यस्थलों पर कलंक एवं भेदभाव है। हमें कलंक और भेदभाव से मुक्त समाज बनाने के लिए, जहां हर कोई नाको के किसी भी प्रतिष्ठान में मुलाकात के दौरान सम्मानित महसूस करे, संयुक्त रूप से इस बुराई से संघर्ष करना होगा।
2017 की कार्यसूची निम्नलिखित पर फोकस करना है:

1. उन तक पहुँचना जिन तक अभी नहीं पहुँचा गया है
2. सेवा सुलभ कराने की गुणवत्ता में सुधार
3. रियल टाइम मॉनीटरिंग
4. सभी पी.एल.एच.आई.वी. के अधिकारों की रक्षा करना

मुझे पूरा विश्वास है कि 2017 का यह नया साल पी.एल.एच.आई.वी. की बेहतरी हेतु अधिकाधिक कार्य करने के लिए हम सबके लिए अधिक अवसर एवं सफलता को लेकर आएगा और अंततः भारत एवं पूरे विश्व से एड्स का उन्मूलन करेगा।
आइये, हम इस विश्व से एच.आई.वी. / एड्स से मुक्त करने की प्रतिज्ञा को दोहराते हैं।

आप सभी को एक यशस्वी नव वर्ष की शुभकामनाएं।

डॉ. नरेश गोयल, डी.डी.जी.
(एल.एस. एंड आई.ई.सी.),
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार

विश्व एड्स दिवस: एच.आई.वी. की रोकथाम के लिए हाथ खड़ा करें

उच्चाधिकारीगणविश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में जवाहरलाल नेहरु स्टेडियम, नई दिल्ली में नाको "माई स्टाम्प" का लोकार्पण कर रहे हैं

प्रत्येक वर्ष, 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। यह दिन पूरे विश्व के लोगों को एच.आई.वी. के विरुद्ध संघर्ष के लिए हाथ मिलाने और एकजुट होने का अवसर देता है। यह दिन एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले लोगों (पी.एल.एच.आई.वी.) की स्मृति की और एच.आई.वी. वायरस के कारण अपनी जिंदगी गंवा चुके लोगों का स्मरणोत्सव मनाने की निशानी है। अगर पलटकर इतिहास पर नजर डाली जाए तो विश्व एड्स दिवस सर्वप्रथम वैश्विक स्वास्थ्य दिवस था, जो 1988 में पहली बार मनाया गया था।

प्रत्येक वर्ष की भाँति, इस वर्ष भी राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरु स्टेडियम में एक महासमारोह का आयोजन किया। इस समारोह में नागरिक समाज संस्थाओं से 2500 से अधिक लोगों, समुदाय के सदस्यों, स्कूलों एवं कॉलेजों से विद्यार्थियों, गैर–सरकारी संगठनों से प्रतिनिधियों, द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय विकास भागीदारों, विभिन्न सरकारी विभागों से अधिकारीगण ने भाग लिया।

श्री जगत प्रकाश नड्डा, माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

समोराह का शुभारंभ एक एड्स जागरुकता पदयात्रा से किया गया, जिसे श्री सी.के. मिश्रा, सचिव स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार ने झंडी दिखाकर रवाना किया और इसमें स्कूलों, कॉलेजों, गैर–सरकारी संगठनों से बच्चों ने भाग लिया।

माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, श्री जे.पी. नड्डा ने नाको द्वारा विकसित की गई सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियों को दिखाने वाली एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

मंच पर उच्चाधिकारियों के स्वागत और ज्योति प्रज्वलन के साथ मुख्य समारोह आरंभ हुआ। डॉ. सी.वी. धर्म राव, संयुक्त सचिव, नाको ने स्वागत भाषण दिया।

श्री जगत प्रकाश नड्डा, माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार ने उल्लेख किया कि पूरे विश्व में दक्षिण अफ्रीका और नाइजीरिया के बाद भारत एच.आई.वी. के साथ जीवन जीने वाले लोगों का तीसरा सबसे बड़ा बोझ ढो रहा है, लेकिन यहां केवल 0.26% की अत्यंत कम व्याप्ति है। लगभग दो दशक पहले यह अनुमान लगाया गया था कि भारत विश्व की एड्स राजधानी बनेगा लेकिन अब एच.आई.वी. की रोकथाम एवं उपचार में एक सफलता गाथा के रूप में हमारी सराहना की जा रही है, और अनेक देश भारतीय परियोजना, विशेषकर सामुदायिक भागीदारी और नागरिक समाज की प्रणबद्धता से सीख रहे हैं। भारत एच.आई.वी. की महामारी को पराजित करने, वर्षों के दौरान एच.आई.वी. की व्याप्ति में निरंतर गिरावट, नए संक्रमणों की व्यापकता में 57% न्यूनीकरण, और एड्स से जुड़ी मौतों की संख्या में भी 29% गिरावट को प्रदर्शित करने में समर्थ हुआ है। एक बार पुनः, उन्होंने राष्ट्र के लोगों से एकजुट होने और एच.आई.वी. के विरुद्ध इस संघर्ष के लिए हाथ मिलाने का अर्ज किया ताकि हम सब साथ मिलकर 2030 इस महामारी को समाप्त कर पाएं।

श्री जगत प्रकाश नड्डा, माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य और कल्याण मंत्री भाषण दे रहे हैं

श्री सी.के. मिश्रा, सचिव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण

"आज हम यहां उस सफलता का उत्सव मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं जो कुछ भी हम गत कुछ वर्षों में हासिल कर पाए हैं और उसके अलावा इस दिन से नए सिरे यह प्रतिज्ञा करते हैं कि अतीत में हमने जो कुछ भी किया है, उसके लाभों को फायदा उठाने के लिए हम अपनी प्रतिबद्धता, अपने संघर्ष, अपने संकल्प और अपनी भागीदारी को जारी रखेंगे।"

डॉ. पूनम खेत्रपाल, रीज़नल डायरेक्टर, विश्व स्वास्थ्य संगठन

"सबसे अधिक यह दीर्घकालिक वित्तपोषण ही है जो इसे संभव बनाएगा। यह भारत को एड्स मुक्त पीढ़ी की दिशा में अग्रसर करेगा, जो एक एड्स मुक्त विश्व में भारी अंशदान करेगा।"

भारत की एड्स नियंत्रण परियोजना ने सदैव प्रत्येक स्तर पर समुदाय के सदस्यों को सम्मिलित किया है। इस समारोह के दौरान, सुश्री गौतमी ने अपनी संघर्ष गाथा सुनाई। उन्होंने कहा कि सरकार को एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले बच्चों के कल्याण हेतु सहायता उपलब्ध कराना जारी रखना चाहिए।

श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार ने आश्वासन दिया कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए कि एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले लोगों को सही पोषण प्राप्त हो और वे अन्य सामाजिक योजनाओं का लाभ उठायें, न केवल स्वास्थ्य मंत्रालय से बल्कि अन्य सभी संबंधित मंत्रालयों से सभी आवश्यक सहायता सुलभ कराएगी। उन्होंने यह भी कहा कि हमें शून्य कलंक और भेदभाव के बारे में अपनी वैश्विक प्रतिबद्धता को पूरा करना होगा।

श्री फग्ग्न सिंह कुलस्ते, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री सभा को संबोधित कर रहे है।

सुश्री गौतमी, एच.आई.वी. रोगी

"इस दुनिया में, खास तौर पर भारत में प्रत्येक बच्चे को अपनी सहायता सुलभ करायें और मुझे पूरा यकीन है कि आप सभी मेरे और मेरे जैसे बच्चों की मदद करेंगे क्योंकि हम समुदायों के रूप में एक परिवार हैं ताकि अच्छी देखभाल, सहायता और उपचार के साथ एक बच्चा एक अच्छी जिंदगी का निर्माण कर सकें।"

सुश्री गौतमी श्रोताओं के साथ अपने विचार साक्षा करते हुए

सुश्री साधना जाधव, एच.आई.वी. रोगी

"लगभग 25 लाख लोग एच.आई.वी. संक्रमण से पीड़ित हैं। उनमें से 10 लाख लोग पहले से ही ए.आर.टी. पर हैं। अगर यह जारी रहा तो हम जैसे लोगों को बेहतर स्वास्थ्य और जिंदगी जीने के बेहतर अवसर मिलेंगे।"

श्रीमती सुप्रिया पटेल, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार ने भी इस बात पर बल दिया कि नाको ने सराहनीय कार्य किया है और इसके कार्य का पूरे विश्व में सम्मान किया जा रहा है। भारत एच.आई.वी. की व्याप्ति में, नए संक्रमणों में और एड्स से जुड़ी मौतों की संख्या में भी निरंतर गिरावट लाने में समर्थ हुआ है। अपेक्षाकृत नई सुग्रहिताओं का उभरना जारी है, और वहाँ हमारी सेवाओं की परिधि बढ़ाये जाने की भी आवश्यकता है। उन्होंने एच.आई.वी./ एड्स के कारण अपनी जिंदगी गंवा चुके लोगों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने यह आश्वासन भी दिया कि एच.आई.वी. के विरुद्ध संघर्ष को जारी रखने तथा इस महामारी को 2030 तक पूरी तरह समापत करने के लिए हम कोई भी सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री सभा को संबोधित करते हुए

विश्व एड्स दिवस पर लोकार्पण

1. विश्व एड्स दिवस पर लोकार्पण की श्रृंखला में, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री और दोनों राज्य मंत्रियों ने नाको द्वारा डाक विभाग के सहयोग से तैयार की गई **"माई स्टाम्प"** का लोकार्पण किया।
2. एच.आई.वी. परामर्श और जांच दिशानिर्देश, 2016 जो एच.आई.वी./एड्स के लिए देश के प्रत्युत्तर की अगुवाई करने के लिए एच.टी.एस. का सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार करने हेतु एक सुपरिभाषित जन स्वास्थ्य विधि का प्रारूप दर्शाते हैं।
3. भारत में ब्लड बैंकों की निर्धारण रिपोर्ट
4. "नाको एड्स मोबाइल एप" जो एक स्मार्ट फोन एप्लीकेशन है और आम जनता, उच्च जोखिम समूह आबादी एवं पी.एल.एच.आई.वी./पी.एल.एच.ए. के लिए उपलब्ध एक अनूठी पहल है।

नृत्य मंडली द्वारा रंगबिरंगा और भव्य नृत्य प्रदर्शन

विश्व एड्स दिवस पर उपस्थित जनसमूह डॉ.सी.वी. धर्म राव, संयुक्त सचिव, नाको और डॉ. हेंक बेकेडम, डब्ल्यू.एच.ओ. प्रतिनिधि ने संयुक्त रूप से शपथ दिलवाई

माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री, श्री जे.पी. नड्डा आइसोनियाजिड प्रीवेन्टिव थैरेपी का लोकार्पण और रोकथाम एवं ए.आर.टी. केन्द्रों में पी.एल.एच.आई.वी. के उपचार मार्गनिर्देशों का विमोचन करते हुए।

टी.बी. अर्थात तपेदिक एक आम अवसरवादी संक्रमण है और एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले लोगों के बीच मृत्यु का एक प्रमुख कारण है, और एच.आई.वी. से जुड़ी चार मौतों में से एक के लिए जिम्मेदार है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार अपने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) और केन्द्रीय टी.बी. संभाग (सी.टी.डी.) के माध्यम से एच.आई.वी. और टी.बी. सह–संक्रमण के दोहरे बोझ का प्रशमन करने हेतु संयुक्त सहयोगात्मक प्रयास कर रही है। भारतीय राष्ट्रीय एच.आई.वी.–टी.बी. सहयोगात्मक गतिविधि फ्रेमवर्क (नवंबर, 2013) और भारतीय मानक तपेदिक देखभाल पी.एल.एच.आई.वी. के बीच टी.बी. की रोकथाम हेतु आइसोनियाजिड प्रीवेन्टिव थैरेपी (आई.पी.टी.) की एक महत्त्वपूर्ण कार्यनीति के रूप में अनुशंसा की है।

विश्व एड्स दिवस, 2016 के समारोह में, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने आइसोनियाजिड प्रीवेन्टिव थैरेपी का लोकार्पण किया और "रोकथाम और ए.आर.टी. केन्द्रों में पी.एल.एच.आई.वी. के उपचार मार्गनिर्देशों" का विमोचन किया। एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले लोगों को, जिन्हें सक्रिय टी.बी. होने की संभावना नहीं है, एच.आई.वी. देखभाल के बृहत पैकेज के एक भाग के रूप में ए.आर.टी. केन्द्रों से कम से कम छह माह तक आई.पी.टी. प्राप्त होगी।

संगीत और नृत्य सर्वाधिक प्रिय मानव अनुभव हैं। इस अवसर की शोभा बढ़ाने के लिए, ट्रांसजेंडरों द्वारा एक भव्य नृत्य प्रदर्शन किया गया और रसिक्स म्यूजिकल बैंड द्वारा संगीत प्रदर्शन से सकारात्मक संदेश का प्रचार किया कि "कैसे सभी चुनौतियों का सामना करते हुए जिंदगी को जिया जाए।"

जागरुकता पैदा करने और सभी पी.एल.एच.आई.वी. के लिए सहायक परिवेश उपलब्ध कराने के लिए डॉ.सी.वी. धर्म राव, संयुक्त सचिव, नाको और डॉ. हेंक बेकेडेम, डब्ल्यू.एच.ओ. प्रतिनिधि ने सयुंक्त रूप से एक शपथ ग्रहण करवाई। डॉ. मृणालिनी दर्सवाल, परियोजना निदेशक, दिल्ली एस.ए.सी.एस. ने आभार भाषण दिया।

विश्व एड्स दिवस सदैव ही एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले लाखों लोगों के लिए सहायता और एकता प्रदर्शित करने का अवसर रहा है। यह समारोह संगठित होकर कार्य करने और एच.आई.वी. एवं एड्स से संघर्ष करने के लिए एक सकारात्मक भावना के साथ संपन्न हुआ।

सुश्री नेहा पाण्डेय, नाको

कार्यक्रम

पी.एल.एच.आई.वी. के लिए सामाजिक सुरक्षा पहचानपत्र का लोकार्पण

कलंक और भेदभाव के कारण, अधिकांश पी.एल.एच.आई.वी. के पास उनका आधार कार्ड नहीं था। अतः उनकी सहायता करने के उद्देश्य से, उपायुक्त, उखरुल और डी.ए.पी.स.यू. ने ज़िला एड्स नियंत्रण अधिकारी (डी.ए.सी.ओ.) के कार्यालय चैम्बर में विशेष रूप से पी.एल.एच.आई.वी. के लिए आधार पंजीकरण सभा का आयोजन किया और अन्य लापता पंजीकरणों को राष्ट्रीय जनसंख्या पंजीकरण (एन.पी.आर.) के माध्यम से लाया गया। टी.आई. और डी.ए.पी.सी.यू. की सतत सहायता ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

इस कार्यक्रम में 50 से अधिक लोगों ने भाग लिया जिनमें 40 से अधिक पी.एल.एच.आई.वी. थे।

पी.एल.एच.आई.वी. के लिए पहचानपत्र बनाने की आवश्यकता काफी समय से महसूस की जा रही थी। उपायुक्त, उखरुल, श्री ऋषिकेश मोदक, आई.ए.एस., पूर्व अध्यक्ष, डी.ए.पी.सी.सी. ने 500 पहचानपत्र की छपाई को प्रायोजित किया। पहले चरण में, 100 पहचानपत्र छपवाए गए थे।

उपायुक्त के साथ डॉ. लूसी डयूडैंग, डी.ए.सी.ओ. और आर.एस. थॉमस, डी.आई.एस.

डी.ए.पी.सी.यू. संचालित एकल खिड़की मॉडल समिति

पहचानपत्र का प्रयोजन पी.एल.एच.आई.वी. को एक पहचान और सुरक्षा उपलब्ध कराना है जिससे वे स्वयं सरकारी विभागों से सामाजिक लाभ योजनाओं (एस.बी.एस.), सामाजिक सुरक्षा योजनाओं (एस.पी.एस.) का लाभ उठा सकें, पी.एल.एच.आई.वी. के आंकड़ों की संख्या के दुगुना होने से बचा जा सके और एल.एफ.यू. को न्यूनतम बनाने हेतु उनकी निगरानी की जा सके।

डॉ. गोविंद बसंल, नाको

ट्रांसजेंडर्स/हिजड़ों के लिए तकनीकी संसाधन कार्यसमूह बैठक

5 दिसंबर 2016 को नाको में हिजड़ों/ट्रांसजेंडर्स की आबादी के सबंध में आई.बी.बी.एस. (2014–15) अध्ययन के निष्कर्षों को प्रस्तुत करने और परियोजना में कुशलता लाने एवं लागत को यथेष्ट बनाने के संबंध में चर्चा एवं प्रत्युत्तर पर प्रकाश डालने के लिए ट्रांसजेंडर्स/हिजड़ों (टी.जी./एच.) के लिए तकनीकी संसाधन कार्यसमूह (टी.आर.जी.) का बैठक का आयोजन किया गया। डॉ. नीरज ढींगड़ा, डी.डी.जी. (टी.आई., एम. एंड ई.) ने टी.आर.जी. के सदस्यों के लिए हाल ही में संपन्न हुए आई.बी.बी.एस. अध्ययन का खुलासा किया। श्री वेंकेटेसन चक्रपाणी, चेयरमैन, सेन्टर फॉर सैक्चुअल्टी हेल्थ रिसर्च एंड पॉलिसी, चेन्नई और सुश्री लक्ष्मी नारायणर त्रिपाठी, चेयरपर्सन, अस्तित्व ट्रस्ट, मुंबई ने संयुक्त रूप से इस बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान, टी.आर.जी. के अध्यक्षों ने परियोजना के फलितर्थों, विशेषकर अल्पायु ट्रांसजेंडर्स/हिजड़ों तक पहुंचने, कंडोम की आपूर्ति सुनिश्चित करने, कंडोम के इस्तेमाल के कौशल प्रदान करने और कंडोम के निरंतर इस्तेमाल संबंधी मसलों का निवारण करने, एच.आई.वी. की रोकथाम की जानकारी उपलब्ध कराने और अनुवर्तन की अपेक्षाकृत नई विधियों के इस्तेमाल को बढ़ाने के महत्त्व पर रोशनी डाली।

टी.आर.जी. के सदस्यों ने हिजड़ों/ट्रांसजेंडर्स पर केन्द्रित सर्वप्रथम आई.बी.बी.एस. अध्ययन करवाने के नाको के प्रयास की सराहना की और विशेष रूप से उल्लेख किया कि यह पूरे विश्व में अभी तक आयोजित सबसे बड़ा अध्ययन है। सदस्यों ने नाको से इस समुदाय को समुदाय सलाहकार बोर्ड और समुदाय निगरानी बोर्ड में शामिल करने का अनुरोध किया।

इस बैठक में ट्रांसजेंडर/हिजड़ा समुदाय सहित डॉ. नरेश गोयल, डी.डी.जी. (आई.ई.सी.), शिक्षाविद्, अनुसंधानकर्ता, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और एम.एस.जे.ई के प्रतिनिधिगण, नाको और एस.ए.सी.एस. से टी.आई. अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

श्री राजीनाल्द टी.डी., नाको

ब्रिक्स एच.आई.वी. और टी.बी. कार्यशाला

कार्यशाला में डॉ. के. एस. सचदेव, डी.डी.जी. (बी.एस.डी.), नाको प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए

15–16 नवंबर, 2016 को अहमदाबाद, गुजरात में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) देशों के प्रोग्राम मैनजरों की दो दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में टी.बी. को समाप्त करने की वैश्विक योजना रणनीति और एच.आई.वी./एड्स एवं टी.बी. के लिए "90.90.90" वैश्विक लक्ष्यों के परिप्रेक्ष्य में ब्रिक्स देशों की दो बड़ी जन स्वास्थ्य चुनौतियों –टी.बी. और एच.आई.वी. पर फोकस किया गया।

पूरे विश्व में ब्रिक्स देश लगभग 30% नए एच.आई.वी. संक्रमणों और टी.बी. की 40% से अधिक व्यापकता के लिए जिम्मेदार है।

उसके अलावा, लगभग 50% दवा–प्रतिरोधी टी.बी. और समग्र टी.बी. / एच.आई.वी. के 38% मामले ब्रिक्स देशों में प्रकट होते हैं। इन रोगों का मुकाबला करने के प्रयासों में, इनमें से प्रत्येक विकासशील देश की अपनी सफलताएं और चुनौतियाँ हैं जो आपस में सीखने के अवसर प्रस्तुत करते हैं। अहमदाबाद के लिए संबंधित ब्रिक्स देशों से टी.बी. और एच.आई.वी. के प्रोग्राम मैनेजर अपने देश शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे थे तथा केन्द्रीय टी.बी. संभाग और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय संस्थान, विश्व स्वास्थ्य संगठन, यू.एन.एड्स और स्टॉप टी.बी. पार्टनरशिप, डॉ. के. एस. सचदेवा, डी.डी.जी. (बी.एस.डी.), नाको, डॉ. राजेश देशमुख पी.ओ., (एच.आई.वी. टी.बी.), नाको एवं डॉ. आर. गंगाखेड़कर, निदेशक, एन.ए.आर.आई, पुणे ने भारत के प्रत्युत्तर और सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों को प्रस्तुत किया।

सुश्री ज्योति शर्मा, नाको

लक्षित हस्तक्षेपों को क्रियान्वित कर रहे एफ.एस.डब्ल्यू एवं ट्रकर कर्मचारियों का नवप्रवर्तक प्रपत्तन मॉडल

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) पूर्वोत्तर क्षेत्र को छोड़कर पूरे देश में महिला यौन कामगारों (एफ.एस.डब्ल्यू.) और लंबी दूरी के ट्रक चालकों हेतु लक्षित हस्तक्षेप के क्रियान्वयन का सुदृढ़करण करने के लिए क्षमता संवर्धन पहल को क्रियान्वित कर रहा है। नाको और पी.एच.एफ.आई. द्वारा नई दिल्ली में एफ.एस.डब्ल्यू. और ट्रकर हस्तक्षेपों के लिए लक्षित हस्तक्षेपों (टी.आई.) को क्रियान्वियत करने वाले मास्टर ट्रेनरों का राष्ट्र स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

संयुक्त सचिव, नाको ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। पी.एच.एफ.आई. द्वारा आगे बढ़ाए गए टी.एस.यू. और एस.ए.सी.एस. की सहायता के साथ पूरे देश से (पूर्वोत्तर क्षेत्र को छोड़कर) संबंधित राज्यों में एफ.एस.डब्ल्यू. और ट्रकर टी.आई., प्रोग्राम मैनेजरों को आगे प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 52 मास्टर ट्रेनरों के राज्य–वार पूल को प्रशिक्षित किया गया। तीन माह की अल्पावधि में, सभी राज्यों में 787 प्रोग्राम मैनेजरों (एफ.एस.डब्ल्यू. और ट्रकर टी.आई.) को प्रशिक्षकों के रूप में प्रशिक्षित किया गया है।

बिहार एस.ए.सी.एस. में प्रशिक्षण

उत्तर प्रदेश एस.ए.सी.एस. में प्रशिक्षण

सुश्री प्रदन्या रौत, नाको

चैम्पियनों – एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले बच्चों के साथ एक वार्ता

स्नेह ग्राम से, जो कर्नाटक हेल्थ प्रमोशन ट्रस्ट, बेंगलुरू द्वारा क्रियान्वित की जा रही एच.आई.वी./एड्स ओ.वी.सी. सामाजिक सुरक्षा परियोजना का विद्याप्राप्ति स्थल है, एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले बच्चों ने 6 नवंबर 2016 को नई दिल्ली में नॉन–स्टॉप एंटरटेनमेंट बिजनेस (एन.ई.बी.) स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित मैराथन दौड़ में भाग लिया। उन्हें एक संवादात्मक सत्र के लिए नाको में भी आमंत्रित किया गया था। स्नेह ग्राम से अपने मेंटर्स, फ्रै. मैथ्यू और श्री एल्विस के साथ बच्चों ने 7 नवंबर 2016 को नाको में इस सत्र में भाग लिया जिसकी अध्यक्षता श्री एन. एस. कांग, सचिव एवं महानिदेशक, नाको द्वारा की गई। वहां उनके साथ डॉ.सी.वी. धर्म राव, संयुक्त सचिव, डी.डी.जी., उप सचिव, अवर सचिव और नाको के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। इन बच्चों ने 10 किलोमीटर की मैराथन दौड़ में भाग लिया और अनेक लोगों को दिलों को जीत लिया।

श्री एन.एस. कांग, सचिव एवं महानिदेशक, नाको स्नेह ग्राम से सी.एल.एच.आई.वी. के साथ और नाको की टीम

श्री कांग ने इस बात पर बल दिया कि खेलकूद में बच्चों की भागीदारी एक स्वस्थ जीवनशैली और भविष्य के लिए बेहतर तैयारी के लिए शिक्षित एवं कौशलों का निर्माण करने की एक सर्वांगीण विधि में सहायता करती है। उसके अलावा, नाको एच.आई.वी. से संक्रमित और प्रभावित सभी बच्चों के लिए बृहत देखभाल, सहायता एवं उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले स्वागत भाषण में डॉ. नरेश गोयल, डी.डी.जी., आई.ई.सी. एवं प्रयोगशाला सेवाएं ने बच्चों के साथ पूर्ववर्ती संवाद के बारे में खुलासा करते हुए अतिथियों का स्वागत किया। फ्रै. मैथ्यू, डायरेक्टर, स्नेह ग्राम ने सी.एल.एच.आई.वी. के बारे में अपने विचारों को साझा किया।

श्री रवि, नाको

ग्रामीण विकास विभाग के साथ संयुक्त कार्यसमूह की प्रथम बैठक

10 जून 2015 को ग्रामीण विकास विभाग (डी.ओ.आर.डी.) और राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस संबंध में, 17 अक्टूबर 2016 को संयुक्त कार्यसमूह की प्रथम बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता सचिव, डी.ओ.आर.डी. और सह–अध्यक्षता डॉ. सी.वी. धर्म राव, संयुक्त सचिव, नाको ने की।

डॉ. सी.वी. धर्म राव ने इस बात पर बल दिया कि वहां पी.एल.एच.आई.वी. को ग्रामीण विकास परियोजनाओं और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की मुख्य धारा में लाए जाने की आवश्यकता विद्यमान है। सचिव (डी.ओ.आर.डी.) ने नाको को पी.एल.एच.आई.वी. की संख्या डी.ओ.आर.डी. के साथ साझा करने का सुझाव दिया ताकि वह बेहतर आयोजना और पी.एल.एच.आई.वी. को ग्रामीण विकास योजनाओं की मुख्य धारा में शामिल करने के लिए इस महामारी की अधिक सघनता वाले क्षेत्र को जानने में समर्थ हो सकें। उन्होंने यह भी सूचित किया कि उनका विभाग विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत दिव्यांग लोगों को शामिल करने की रूपरेखा तैयार कर रहा है। उन्होंने सुनिश्चित किया है कि यह रूपरेखा पूरी हो जाने के बाद, उनका विभाग पी.एल.एच.आई.वी. के लिए इसी तरह की रूपरेखा का अन्वेषण करेगा।

श्री आशिष वर्मा, नाको

श्री अमरजीत सिन्हा, सचिव, डी.ओ.आर.डी. और सह–अध्यक्ष डॉ. सी.वी. धर्म राव, संयुक्त सचिव, नाको जे.डब्ल्यू.जी. के सदस्यों के साथ

परिणामः—

a) नाको पूरे देश में एच.आई.वी. पॉजीटिव लोगों की संख्या के आंकड़े डी.ओ.आर.डी. के साथ साझा करेगा ताकि नाको और डी.ओ.आर.डी. के बीच कारगर भागीदारी साध्य हो सके। यह डी.ओ.आर.डी. को पी.एल.एच.आई.वी. को डी.ओ.आर.डी. की परियोजनाओं की मुख्य धारा में शामिल करने के लिए अतिरिक्त वित्त आवश्यकता जानने में समर्थ बनाएगा।

b) कौशल संभाग, डी.डी.यू.—जी.के.वाई. के अंतर्गत दिव्यांग लोगों के लिए रूपरेखा का कार्य पूरा हो जाने के बाद डी.ड.यू.—जी.के.वाई. के अंतर्गत पी.एल.एच.आई.वी. के लिए रूपरेखा बनाने की संभावना की जांच करेगा।

c) वह राज्य जहां एस.आर.एल.एम. क्रियाशील हैं और स्वसहायता समूहों के साथ संपूर्ण व्याप्ति रखते हैं, उन्हें पी.एल.एच.आई.वी. को मुख्य धारा में शामिल करने के लिए भागीदार बनाया जा सकता है।

d) मनरेगा संभाग मनरेगा के अंतर्गत अनुमेय कार्यों की सूची नाको के साथ साझा करेगा। नाको कार्यों की सूची की जांच करेगा और विभाग को सूचित करेगा कि कौन से कार्य पी.एल.एच.आई.वी. के लिए उपयुक्त हैं।

e) विश्व एड्स दिवस मनाने के लिए, एस.आर.एल.एम. को सूचना भेजी जाए जिस पर संबंधित एस.आर.एल.एम. अंतिम निर्णय लेगा।

f) नाको वेबसाइट का एक लिंक ग्रामीण विकास मंत्रालय की वेबसाइट पर होस्ट किया जाएगा।

g) प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु, नाको प्रस्ताव के साथ सीधे महानिदेशक, एन.आई.आर.डी. के साथ परामर्श कर सकती है।

"रक्त हम सबको जोड़ता है" — रक्तदान महाशिविर

राष्ट्रीय स्तर पर गठित संयुक्त कार्यसमूह की प्रथम बैठक का 29 सितंबर 2016 को दिव्यांग व्यक्ति सशक्तिकरण निदेशालय में आयोजन किया गया। बैठक के परिणामस्वरूप विश्व एड्स दिवस, 2016 के उपलक्ष्य में दिल्ली में एक स्वैच्छिक रक्तदान महाशिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया। 1 दिसंबर 2016 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय दिव्यांग संस्थान, विष्णु दिगम्बर मार्ग, नई दिल्ली में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

श्री थावरचंद गेहलोट, माननीय केन्द्रीय सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्री दिव्यांग व्यक्ति सशक्तिकरण निदेशालय और नाको के अधिकारीगण के साथ

श्री थावरचंद गेहलोट, माननीय केन्द्रीय सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्री ने अपने कर—कमलों से समारोह का उद्घाटन किया। समारोह में श्री एन. एस. कांग, सचिव, दिव्यांग व्यक्ति सशक्तिकरण विभाग, श्री अवनश के. अवस्थ, संयुक्त सचिव एवं मुख्य सतर्कता अधिकार, दिव्यांग व्यक्ति सशक्तिकरण विभाग, डॉ. शोभिनी राजन, सहायक महानिदेशक एवं निदेशक, राष्ट्रीय रक्ताधान परिषद, नाको और डॉ. भारत सिंह, निदेशक, दिल्ली राज्य रक्ताधान परिषद भी उपस्थित थे।

रक्तदान शिविर में रक्तदान कर रहे वॉलंटियर्स

- लगभग 1500 युवाओं ने इस शिविर में भाग लिया।
- छह अस्पतालों, अर्थात राम मनोहर लोहिया, दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल, सफदरजंग अस्पताल, गुरु तेग बहादुर अस्पताल और एम्स, इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी और अन्य एजेंसियों से चिकित्सा एवं पराचिकित्सा कर्मचारियों की सहायता से रक्त की 214 यूनिट एकत्रित की गईं।
- आभार के प्रतीक के रूप में, दातागण को टी–शर्ट और मग दिए गए।

श्री कृष्ण गौतम, नाको

राज्य स्तरय जी.आई.पी.ए. सम्मेलन

गोवा एस.ए.सी.एस. ने अपने राज्य में प्रथम एड्स के साथ जीवन बिताने वाले लोगों (जी.आई.पी.ए.) की अपेक्षाकृत अधिक भागीदारी सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य लिंकेज और समग्र एच.आई.वी. प्रत्युत्तर को बढ़ाना, पी.एल.एच.आई.वी. आबादियों की क्षमता संवर्धन आवश्यकताओं की पहचान करना, सी.ए.बी.ए., पी.एल.एच.आई.वी. और प्रमुख आबादी (के.पी.) की जरूरत एवं परिधि के बारे में जागरुकता को बढ़ाना, मौजूदा योजनाओं में पी.एल.एच.आई.वी. के समावेशन हेतु दूसरे विभागों को सम्मिलित एवं उनका संवेदीकरण करना और उद्ग्रहण को बढ़ाना तथा कलंक एवं भेद भाव और उपचार अनभिज्ञता को कम करना था।

डॉ. जोस डिसा, परियोजना निदेशक, गोवा एस.ए.सी.एस. ने गोवा में पी.एल.एच.आई.वी. के वर्तमान परिदृश्य प्रस्तुत किया। श्री सुधीर महाजन, आई.ए.एस., सचिव स्वास्थ्य ने पी.एल.एच.आई.वी. के बीच आंतरिक कलंक और कैसे एच.आई.वी. को संगठन के अंदर मुख्य धारा में लाया जाना चाहिए, के बारे में बताया।

गोवा के माननीय मुख्य मंत्री श्री लक्ष्मी कांत पार्सिकर सम्मेलन को संबोधित कर रहे हैं

गोवा के माननीय मुख्य मंत्री, श्री लक्ष्मी कांत पार्सिकर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने लोगों से एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले लोगों के साथ भेदभाव को बंद करने के लिए प्रोत्साहित किया क्योंकि संक्रमण की अपेक्षा कलंक और भेदभाव अधिक लोगों को मारता है। समारोह के दौरान जी.एस.ए.सी.एस. की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में एक पोस्टर और एक लघु छायाचित्र का भी विमोचन किया गया।

एच.आई.वी. पॉजिटिव क्लायंटों को कुशलतापूर्वक सेवा प्रदान करने के लिए विहान परियोजना के पहुँच कार्यकर्ताओं की सहायता करने वाला एक टैबलेट एप्लीकेशन का सभी ओ.आर.डब्ल्यू और विहान के पीयर काउंसलर्स के बीच वितरण किया गया। उद्घाटन समारोह में डॉ. प्रदीप नाईक, डीन, गोवा मेडिकल कालेज और श्री रवि भूषण, पी.ओ. (आई.ई.सी. एवं मेनस्ट्रीमिंग), नाको भी उपस्थित थे।

श्री रवि और श्री मोहनीश कुमार, नाको

"ब्लड बैंकों में गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों का सुदृढ़ीकरण" के संबंध में मास्टर ट्रेनरों के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला

ब्लड बैंक की दिन–प्रतिदिन की कार्यपद्धतियों में गुणवत्ता सुनिश्चित करना रक्ताधान सेवाएं संभाग का एक प्रमुख अधिदेश है। तदनुसार, नाको/एन.बी.टी.सी. ने परियोजना भागीदारों और आधान चिकित्सा के प्रमुख विशेषज्ञों के साथ ब्लड बैंक कर्मचारियों की, जिन्हें चिह्नित नाको सहायता–प्राप्त ब्लड बैंकों में एक चिकित्सा अधिकारी सहित तकनीकी प्रबंधक और गुणवत्ता प्रबंधक के रूप में पदनामित किया गया है, क्षमताओं का निर्माण करने हेतु एक मानकीकृत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (प्रशिक्षक मार्गदर्शिका एवं प्रशिक्षणार्थी पुस्तिका) तैयार की है।

इन प्रशिक्षणों की रूपरेखा ब्लड बैंकों में गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों में सुधार लाने हेतु कौशल विकसित करने पर फोकस करने के लिए बनाई गई है ताकि उनकी कार्यप्रणाली एवं सेवाप्रदायगी में सुधार लाया जा सके और सेवाओं के प्रमाणन एवं प्रत्यायन की दिशा में कदम उठाए जा सकें। इस संबंध में 24 से 26 अक्टूबर 2016 को गुरुग्राम में "ब्लड बैंकों में गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों का सुदृढ़ीकरण" के संबंध में राष्ट्रीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। बाद में, जनवरी 2017 से क्षेत्रीय प्रशिक्षण आरंभ किए जाने की योजना है।

श्री जॉली लाजारूस और डॉ. शोभिनी रंजन, नाको

"ब्लड बैंकों में गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों का सुदृढ़ीकरण" के संबंध में राष्ट्रीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यशाला

रक्तदाताओं परामर्श हेतु राष्ट्रीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला

रक्तदाताओं को परामर्श देने वाली कर्मचारियों की क्षमताओं को विकसित करने के लिए एक अनन्य मॉड्यूल तैयार किया गय है। 18–20 अक्टूबर 2016 को मुंबई में रक्तदाताओं के परामर्श हेतु राष्ट्रीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य दान पूर्ववर्ती एवं उत्तरवर्ती परामर्श एवं टी.टी.आई. प्रतिक्रियाशील दाताओं की रेफरल लिंकेज में सुधार लाने के उनके मौजूदा विचारार्थ विषयों (टी.ओ.आर.) के अलावा संभावित रक्तदाताओं को प्रेरणा प्रदान करना, रक्तदान के निमित्त के बारे में समुदायिक जागरुकता का आयोजन करना और जन रक्तदान अभियानों का आयोजन करना था। विषयवस्तु को दातागण के लिए गैर–तकनीकी भाषा में लिखा गया है। शीघ्र ही क्षेत्रीय प्रशिक्षण भी आरंभ किए जाने की योजना है।

श्री जॉली लाजारूस और डॉ. शोभिनी रंजन, नाको

रक्तदाताओं को परामर्श देने के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला

मेघालय

मेघालय एड्स नियंत्रण सोसायटी (एम.ए.सी.एस.) ने अपने राज्य में, जो सग्राही–कोटि में कहा जाता है, संक्रमण के फैलाव का मुकाबला करने हेतु एच.आई.वी. एवं एड्स अभियान के लिए एक संगीत प्रतिभा खोज का आयोजन किया। एच.आई.वी. और एड्स के विषय पर राज्य के लोगों के बीच जन जागरुकता पैदा करने के लिए एकमात्र विषय के साथ 8 अक्टूबर 2016 को "मेघालय आइकोन 6" का आयोजन किया गया।

"मेघालय आइकोन 6" के विजेता एक वर्ष की अवधि तक या अगले आइकोन को ताज पहनाये जाने तक मेघालय एड्स नियंत्रण सोसायटी (एम.ए.सी.एस.) की सभी एच.आई.वी. और एड्स जागरुकता गतिविधियों को ब्राण्ड अम्बसेडर बनेंगे। इस प्रतियोगिता की विशेषताएं इसके दो भाग थे: 60% संगीत और 40% एच.आई.वी. एवं एड्स के बारे में उनका ज्ञान। एच.आई.वी. और एड्स की समस्या के बारे में विशेष रूप से राज्य के युवा के बीच जागरुकता पैदा करने और उन्हें शिक्षित करने के लिए संगीत, एक सार्वभौमिक भाषा और साधन।

"मेघालय आइकोन 6" का ग्रैंड फिनाले इस शो का शानदार चरमोत्कर्ष था और सिम्फोनिक इलुज़न ने जजों एवं संगीत प्रेमियों का दिल जीत लिया जो 8 अक्टूबर 2016 को फाइनल में पहुँचे 9 बैंड के बीच धुंआधार मुकाबले को देखने के लिए मालकी मैदान में उमड़े हुए थे। यह बताने की जरूरत नहीं है कि शिलांग स्थित सिम्फोनि इलुज़न को सर्वश्रेष्ठ बैंड घोषित किया गया और "ब्राण्ड अम्बेसडर" बनने के अलावा 1 लाख रुपये के नकद पुरस्कार के साथ वहां से रवाना हुआ। तूरा से सेफ एंड साउंड को प्रथम उपविजेता घोषित किया गया और उन्होंने एच.आई.वी./एड्स पर सर्वश्रेष्ठ थीम गीत का अवार्ड भी जीता, जबकि जोवई से लिंक्स को द्वितीय उपविजेता घोषित किया गया।

इस समारोह के विशेष अतिथि डॉ. आर.ओ. बुधना, स्वास्थ्य सेवाएं निदेशालय (एम.सी.एच. एवं एफ.डब्ल्यू.), मेघालय सरकार डॉ. लिंगडोह, स्वास्थ्य सेवाएं निदेशालय (अनुसंधान आदि), मेघालय सरकार और डॉ. (सुश्री) बी. मावतोह, परियोजना निदेशक, मेघालय एड्स नियंत्रण सोसायटी ने विजेताओं को सम्मानित किया।

मेघालय एस.ए.सी.एस.

ग्रैंड फिनाले – मेघालय आइकोन 6 की एक झलक

मेघालय आइकोन 6 सिम्फोनिक इलुज़न के विजेता

गोवा

उद्योगों हेतु ज़िला स्तरीय परामर्श बैठक

9 दिसंबर 2016 को ई.एल.एम. मॉडल के अंतर्गत दक्षिण गोवा में जिला स्तरीय परामर्श बैठक

9 दिसंबर, 2016 को ई.एल.एम. मॉडल (ई.एल.एम.) के अंतर्गत दक्षिण गोवा में उद्योगों हेतु ज़िला स्तरीय परामर्श बैठक का आयोजन किया गया । श्री अजीत पंचवाडकर, उप जिलाधिकारी, दक्षिण गोवा ने अतिथियों का स्वागत किया और एच.आई.वी./एड्स के विरुद्ध संघर्ष में उद्योगों से जी.एस.ए.सी.एस. के साथ संगठित होने की अपील की। डॉ. जोस डिसा, परियोजना निदेशक ने नियोक्ता मॉडल पर एक संक्षेप प्रस्तुत किया और इस बात पर बल दिया कि प्रवासियों तक पहुँचने के उद्देश्य सेई.एल.एम. मॉडल पर कार्य करना कैसे जरूरी है। श्री स्वप्निल नाईक, जिलाधिकारी, दक्षिण गोवा मुख्य अतिथि थे। उन्होंने यह भी सूचित किया कि अनेक प्रवासी औद्योगिक क्षेत्र में अनौपचारिक कामगारों के रूप में काम कर रहे हैं और जी.एस.ए.सी.एस. द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली जानकारी एवं सेवाओं तक उनकी पहुँच नहीं है। कुल 42 उद्योगों ने इस परामर्श बैठक में भाग लिया। यह उत्साहवर्धक था कि गैर–सरकारी संगठन और आई.ई.स. संभाग से जी.एस.ए.सी.एस. के वरिष्ठ कर्मचारियों ने न केवल भाग लिया बल्कि सहायता भी की।

गोवा एस.ए.सी.एस.

राजस्थान

राजस्थान राज्य विधायी सेवा प्रधिकरण (आर.एस.एल.एस.ए.) के साथ पक्षसमर्थन

एच.आई.वी. और एम.ए.आर.पी. के साथ जीवन बिताने वाले लोगों के अधिकारों का उनकी परिकल्पित या गोपनीयता भंग होने, कलक एवं भेदभाव, विदित एच.आई.वी. स्थिति के कारण अक्सर उल्लंघन होता है, जिससे वे बीमारी के बोझ और अन्य अधिकारों की परिणामी हानि, दोनों से पड़ित होते हैं। उत्पीड़न और मूलभूत अधिकारों का हनन सामाजिक सुरक्षा योजना एवं सुरक्षा, रोकथाम उपचार और देखभाल सेवाओं का लाभ उठाने में प्रमुख बाधाएं बन जाते हैं। यह उनके रोजगार, आवास एवं अन्य अधिकारों तक उनकी पहुँच को बाधित या प्रभावित कर सकता है, जो फलस्वरूप जोखिमपूर्ण आचरण की संभावनाओं और उसके द्वारा दूसरों को संचारण की संभावनाओं को बढ़ा सकता है। सर्वाधिक पीड़ितों में एच.आई.वी. से संक्रमित एवं प्रभावित महिलाएं और उनके परिवार, एच.आई.वी. से संक्रमित एवं प्रभावित अनाथ बच्चे शामिल हैं। इस प्रकार, विधायी संरक्षण उदीयमान जरूरतों में से एक है। मुख्य धारा में लाने के प्रयासों के एक परिणाम के रूप में, राजस्थान राज्य विधायी सेवा प्राधिकरण ने महिला यौन कागमारों (एफ.एस.डब्ल्यू.), इंजेक्शन से दवाएं लेने वालों (आई.डी.यू.), पुरुषों के साथ मैथुन करने वाले पुरुषों (एम.एस.एम.), एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले लोगों और ट्रांसजेंडरों को ज़िला स्तर पर एन.ए.सल.एस.ए. योजना के अंतर्गत पराविधायी वॉलंटियरों (पी.एल.वी.) के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए प्रावधान किए हैं। वे अपने समुदायों में विधायी जागरुकता पैदा करने के लिए पी.एल.वी. के रूप में कार्य करना जारी रखेंगे और विधायी सहायता के लिए मदद करेंगे।

मेनस्ट्रीमिंग यूनिट से इस मामले के संबंध में आर.एस.एल.एस.ए. के साथ पक्षसमर्थन आरंभ किया है और एच.आई.वी. के साथ जुड़े मसलों, जैसे एच.आई.वी. संक्रमण के फलस्वरूप गोपनीयता का भय, कलंक एवं भेदभाव, आत्मकलंक और हिंसा के बारे में समझाया है। उन्हें यह भी सूचित किया गया है कि पी.एल.एच.आई.वी. और एच.आर.जी. को अपने विधायी अधिकारों की जानकारी नहीं है। समुदाय से पी.एल.वी. अपने समुदाय में जागरुकता का प्रसार करने के लिए कार्य करेंगे।

राजस्थान एस.ए.सी.एस.

अनाथ सी.एल.एच.आई.व. के लिए एक घर – चेतनाकुंर

डी.ए.पी.स.यू. बुलधाना द्वारा आयोजित कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों का सामूहिक फोटो

महाराष्ट्र एस.ए.सी.एस.

14 नवंबर 2016 को बाल दिवस के उपलक्ष्य में, डी.ए.पी.सी.यू., बुलधाना, महाराष्ट्र में एक अनूठी परियोजना "चेतनाकुंर परियोजना" ने इतिहास रचा है। यह परियोजना एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले अनाथ बच्चों (सी.एल.एच.आई.वी) के लिए आरम्भ की गई थी। इस परियोजना में सी.एल.एच.आई.वी. को मुफ्त आवास एवं भोजनव्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधा और शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। यह परियोजना डी.ए.पी.सी.यू., बुलधाना, ज़िला प्रशासन, कृषि समृद्धि मल्टीपर्पज फाउंडेशन, बुलधाना के प्रयासों एवं पहल से आरंभ की गई है और बुलधाना परियोजना के नेटवर्क ने 50 सी.एल.एच.आई.वी. को भर्ती किया है। इससे पहले डी.ए.पी.सी.यू., बुलधाना ने अनाथालय में सी.एल.एच.आई.वी. के लिए उपयुक्त व्यवस्था करने के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास किए थे लेकिन सफल नहीं हो पाई थी। डी.ए.पी.सी.यू. ने सी.एल.एच.आई.वी. के अभिभावकों के लिए दो कार्यशालाओं का आयोजन किया था और अभिभावकों को उनके आश्रितों को अनाथालय में भेजने के लिए मनाने का प्रयास किया था। केवल 3 अभिभावकों ने बीड स्थित अनाथालयों में अपने आश्रितों को भर्ती करवाया था।

डॉ. सुनीति सोलोमन
पदम श्री पुरस्कार मरणोपरांत
(14 अक्टूबर, 1939 – 29 जुलाई, 2015)

डॉ. सुनीति सोलोमन ने अपनी टीम के साथ 1986 में मद्रास मेडिकल कालेज (एम.एम.सी.), चेन्नई में, जहां उन्होंने दो दशकों से अधिक समय तक सूक्ष्मविज्ञान प्राचार्य के रूप में सेवा प्रदान की थी, भारत में एच.आई.वी. के पहले मामले को दस्तावेजबद्ध किया था। एम.एम.सी. में, उन्होंने भारत के सर्वप्रथम एड्स संसाधन समूह का गठन किया था। 1988 और 1993 के बीच, यह एक समर्पित केन्द्र बना जिसने एच.आई.व.–निर्दिष्ट स्वैच्छिक परामर्श एवं जांच, इसे जारी रखने और सामाजिक सेवाओं को आपस में मिलाया। यह एक नई खोज थी क्योंकि उस समय वहां देश में न तो सरकारी या न ही निजी क्षेत्र में एक व्यापक एच.आई.वी./एड्स सुविधा का कोई पूर्ववृत्त नहीं था।

भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2016 – सूचना प्रौद्योगिकी पहलों का प्रदर्शन

14–27 नवंबर को नई दिल्ली स्थित प्रगति मैदान में भारतीय व्यापार प्रोत्साहन संगठन (आई.टी.पी.ओ.) द्वारा भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले (आई.आई.टी.एफ.) का आयोजन किया गया। व्यापार मेले में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने भी भाग लिया और समर्पित स्वास्थ्य पेवेलियन में अपनी गतिविधियों / सेवाओं / उपलब्धियों का प्रदर्शन किया। इस वर्ष व्यापार मेले की थीम "डिजिटल इंडिया" थी। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन(नाको) ने सक्रियतापूर्वक भाग लिया और "डिजिटल इंडिया" के अंतर्गत सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली की पहलों का प्रदर्शन किया।

श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार ने स्वास्थ्य पेवेलियन का उद्घाटन किया। नाको ने "डिजिटल इंडिया" के अंतर्गत अनेक पहलें की हैं और विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियों को विकसित किया है। नाको द्वारा प्रदर्शित मुख्य सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियां थीं – कार्यनीतिपरक सूचना प्रबंधन प्रणाल (एस.आई.एम.एस.), पी.एल.–एच.आई.वी. ए.आर.टी. लिंकेज प्रणाली (पी.ए.एल.एस.), वस्तुसूची प्रबंधन प्रणाली (आई.एम.एस.), प्रवासी सेवा प्रदायगी प्रणाली (एम.एस.डी.एस.), ओ.एस.टी. के लिए ई–ट्रेनिंग मॉड्यूल आदि।

उसके अलावा, मुफ्त परामर्श एवं जांच के लिए अलग से बूथ भी लगाए गए थे। व्यापार मेला 2016 में की गई जांचों के आंकड़े इस प्रकार हैः

की गई कुल जांच	528
परामर्श की कुल संख्या	712
कंडोम वितरण की कुल संख्या	54,000
कुल पॉजीटिव	Nil

कर्मचारियों की उपलब्धि और नाको के विभिन्न परियोजना संभागों द्वारा किए गए परिश्रम की श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार ने भी प्रशंसा की थी।

माननीय श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार नाको की प्रदर्शनी में

माननीय श्रीमती अनुप्रिया पटेल, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार नाको की प्रदर्शनी देखती हुई

श्री प्रवीण प्रकाश गुप्ता और सुश्री पीयूष कोठीवाल, नाको

विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में राज्य निर्दिष्ट समारोह

असम

1 दिसंबर 2016 को विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में गुवाहाटी में एक पदयात्रा का आयोजन किया गया

असम राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी (ए.एस.ए.सी.एस.) ने 1 दिसंबर 2016 को श्री माधवदेव इंटरनेशनल ऑडोटोरियम कलाक्षेत्र, गुवाहाटी में विश्व एड्स दिवस मनाया। पूरे दिन का यह समारोह एक पदयात्रा के साथ आरंभ हुआ जिसने ए.एस.ए.सी.एस. के परिसर में माउंट एवरेस्ट पर्वतारोही हेनरी डेविड टेरॉन ने झंडी दिखाकर रवाना किया जो कलाक्षेत्र पहुंच कर समाप्त हुई।

डॉ. हिमंता बिस्वा सर्मा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने ई–ब्लड बैंकिंग प्रणाली का औपचारिक उद्घाटन किया जो पेशेवर रक्तदाताओं का पता लगाने में उपयोगी साबित होगी। एच.आई.वी./एड्स के साथ जीवन बिताने वाले लोगों (पी.एल.एच.आई.वी.) की 41 विधवाओं को 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की गई।

ओडिशा

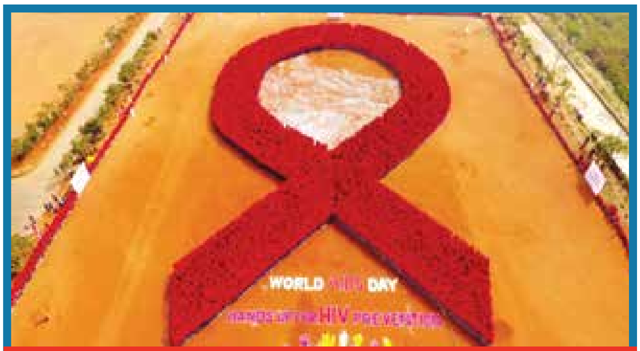

ओडिशा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी में लाल रिबन की आकृति में सबसे बड़ी मानव श्रृंखला

कालिंग इंस्टीटियूट ऑफ सोशल साइन्सिस (के.आई.एस.एस.) ने ओडिशा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी (ओ.एस.ए.सी.एस.) के साथ विश्व एड्स दिवस मनाया है। जब के.आई.एस.एस. के 15,000 जनजातीय विद्यार्थी एक विशालकाय लाल रिबन के रूप में एक मानव जंजीर बनकर खड़े हुए और एच.आई.वी./एड्स के निमित्त हेतु शपथ ग्रहण की तो यह एक दर्शनीय नजारा था।

इस गतिविधि को दस्तावेजबद्ध किया गया और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में प्रविष्टि के लिए 'लाल रिबन की आकृति में सबसे बड़ी मानव जंजीर' का दावा करने का प्रयास किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री प्रदीप कुमार अमत, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्र, ओडिशा सरकार उपस्थित थे।

पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल राज्य एड्स रोकथाम एवं नियंत्रण सोसायटी (डब्ल्यू.बी.एस.ए.पी.सी.एस.) ने स्वास्थ्य भवन में साथी के सहयोग से विश्व एड्स दिवस, 2016 मनाया जहां राज्य स्तरीय नेटवर्क, एस.एस.आर. से प्रतिनिधिगण और डब्ल्यू.बी.एस.ए.पी.सी.एस. से कर्मचारियों सहित अधिकारीगण उपस्थित थे। सुश्री चन्द्रिमा भट्टाचार्य, उप स्वास्थ्य मंत्री और अध्यक्ष, चिकित्सा सेवा निगम ने इस अवसर की शोभा को बढ़ाया । डॉ. मलाय घोष, स्वास्थ्य भवन के प्रतिनिधि ने "शून्य तक पहुँचने" और "एच.आई.वी. की रोकथाम के लिए संगठित होने" के महत्त्व का विशेष उल्लेख किया।

एच.आई.वी. एड्स जागरुकता के बारे में लोक मीडिया प्रदर्शन

परियोजना निदेशक, डब्ल्यू.ब.एस.ए.पी.सी.एस.झंडी दिखाकर साइकिल रैली को रवाना करत हुई

पंजाब

विद्यालयों से 2000 से अधिक विद्यार्थियों ने पदयात्राओं में भाग लिया और एच.आई.वी. एवं एड्स जागरुकता के इश्तिहारों, बैनरों एवं पोस्टरों का प्रदर्शन किया

मणिपुर

मणिपुर एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता

एम.ए.सी.एस., भागीदारों और एन.जी.ओ. के सहयोग से विशाल पदयात्रा

मेघालय

एम.एस.ए.सी.एस. द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता

एम.एस.ए.सी.एस. द्वारा आयोजित प्रेम संगीत कन्सर्ट

राजस्थान

राजस्थान में विद्यालयों में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

माननीय स्वास्थ्य मंत्री, राजस्थान ने झंडी दिखाकर पदयात्रा को रवाना किया

कर्नाटक

कर्नाटक में सांस्कृतिक नृत्य प्रदर्शन

गोवा

गोवा एस.ए.सी.एस. ने एंटरटेनमेंट सोसायटी ऑफ गोवा ऑडोटोरियम में विश्व एड्स दिवस का आयोजन किया। डॉ. मृदुला सिन्हा, गोवा की माननीय राज्यपाल मुख्य अतिथि थीं जिनके साथ सम्मानित अतिथि, सलाहकार – फ्रैंसिस डिसूजा, माननीय उप–मुख्य मंत्री/स्वास्थ्य मंत्री भी उपस्थित थे। डॉ. संजीव डाल्वी, निदेशक, डी.एच.एस. ने स्वागत भाषण दिया और डॉ. जोस डिसा, परियोजना निदेशक, जी.एस.ए.सी.एस. ने जी.एस.ए.सी.एस. के कार्यकलापों और गोवा में एच.आई.वी., एड्स के परिदृश्य का मुहासिरा पेश किया। श्री सुधीर महाजन, आई.ए.एस., स्वास्थ्य सचिव, गोवा सरकार ने श्रोतागण को संबोधित किया और एच.आई.वी./एड्स में परामर्श की महत्त्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया।

विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में गोवा के माननीय राज्यपाल अन्य उच्चाधिकारियों के साथ और गोवा सूचनापत्र का विमोचन किया

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने जन स्वास्थ्य विभाग, महाराष्ट्र के सहयोग से 30 नवंबर 2016 से 2 दिसंबर 2016 तक मंत्रालय परिसर, मुंबई में एच.आई.वी./एड्स के संबंध में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन किया। महाराष्ट्र के माननीय मुख्य मंत्री, श्री देवेन्द्र फर्नांडीस ने डॉ. दीपक सावंत, जन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, श्री अर्जुन खोटकर, राज्य मंत्री, सुश्री सुजाता सुआनिक, प्रमुख सचिव, जन स्वास्थ्य एवं अध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, मुंबई, डॉ. सतीश पवार, निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, डॉ. प्रदीप व्यास, आयुक्त, स्वास्थ्य सेवाएं और श्री कामलाकर फांड, परियोजना निदेशक, महाराष्ट्र राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, मुंबई के साथ प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। माननीय मुख्य मंत्री ने एम.एस.ए.सी.एस. की सराहना की और प्रतिभागियों को एड्स मुक्त महाराष्ट्र का लक्ष्य हासिल करने के लिए शिक्षा एवं जागरुकता पर ध्यान केन्द्रित करने की नसीहत दी। इस प्रदर्शनी में एच.आई.वी./एड्स के साथ जुड़े सभी विषयों को शामिल किया गया था। रक्तदान शिविर में मंत्रालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में से 237 रक्तदाताओं ने भाग लिया।

श्री देवेन्द्र फर्नांडीस, माननीय मुख्य मंत्री, महाराष्ट्र प्रदर्शनी देखते हुए

सफलता गाथा

ए.आर.टी. पर दस लाख रोगियों तक का सफर

हाइली एक्टिव एंटीरेट्रोवायरल थैरेपी (एच.ए.ए.आर.टी.) 1996 में उपलब्ध हो गई थी लेकिन अत्यधिक उच्च कीमतों, गोलियों की विशाल संख्या के कारण यह अधिकांश रोगियों की पहुँच बाहर थी, और वर्ष 2000 में पूरे विश्व में 5 प्रतिशत से भी कम लोग इस तक पहुँच पाने में समर्थ थे। दवाओं की कीमत लगभग 32,000 रु. प्रति महीना थी, पूरे जीवन उनका सेवन करना था और रोगी को प्रतिदिन 32 गोलियों का सेवन करना होता था। 2004 में डब्ल्यू.एच.ओ. ने विकासशील देशों में 2005 तक 30 लाख रोगियों को ए.आर.टी. तक पहुँच उपलब्ध कराने के लिए 3 गुणा 5: पहल का लोकार्पण किया था।

30 नवंबर 2003 को नाको ने मुफ्त ए.आर.टी. परियोजना की घोषणा की थी जिसका 1 अप्रैल 2004 को 6 उच्च व्याप्ति वाले राज्यों और दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 8 ए.आर.टी. केन्द्रों में लोकार्पण किया गया था। अब 1 दिसंबर 2016 की स्थिति के अनुसार, पूरे देश में 528 ए.आर.टी. केन्द्रों में 10 लाख जीवित रोगियों तक पहुँचने एवं ए.आर.टी. पर होने के लिए ए.आर.टी. परियोजना का बड़े पैमाने पर विस्तार किया जा चुका है, जो इसे विश्व की दूसरे सबसे बड़ी ए.आर.टी. परियोजना बनाता है। दवाओं की कीमत को 32,000 रु. प्रति माह से घटाकर 7,000 रु. प्रति वर्ष तक लाया गया है और सेवन की जाने वाली गोलियों की संख्या को 32 गोली प्रति दिन से घटाकर केवल 1 गोली प्रति दिन पर ला दिया गया है।

एच.आई.वी. रोग की कल्पना, जिसे एक समय मौत की सजा माना जाता था, राष्ट्रीय कार्यक्रम में ए.आर.टी. तक संवर्धित पहुँच के कारण अब पूरी तरह से बदलकर एक चिरकारी साध्य रोग में बदल गई है। यद्यपि पिछले 12 वर्ष के दौरान भारत में ए.आर.टी. परियोजना की यात्रा चुनौतीपूर्ण रही है, तथापि वहां इसे अभूतपूर्व तरीके से बढ़ाया गया है जो साक्ष्य आधारित विस्तार, मध्यावधि शोधन एवं सेवाओं के विस्तार हेतु संसाधनों के यथेष्ट उपयोग में सर्वश्रेष्ठ पद्धतियों को प्रतिपादित करता है।

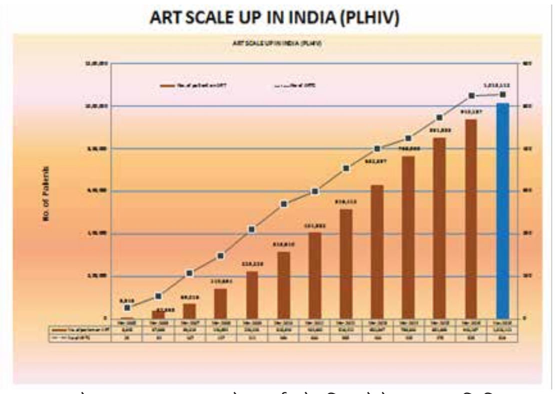

यह सफलता सरकार की ओर से दृढ़ प्रतिबद्धता; समुदायों की सतत सार्थक भागीदारी; अनेक भागीदारों, तकनीकी विशेषज्ञों, अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों, सम्बद्ध मंत्रालयों, नागरिक समाज के प्रतिनिधियों और न्यायपालिका की सहायता के कारण संभव हो पाई है जिन्होंने यह सुनिश्चित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है कि यह परियोजना देश में पी.एल.एच.आई.वी. हेतु उत्कृष्ट सी.एस.ट. सेवाएं उपलब्ध कराए।

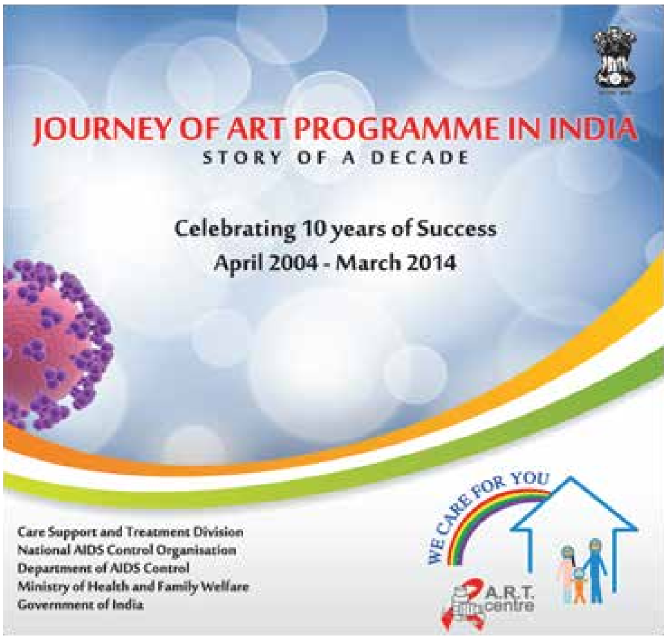

यदि हम पिछले 12 वर्ष से अधिक समय पर वापस नजर डालें तो इस परियोजना ने सेवाओं तक आसान पहुँच और देखभाल की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए अनेक संवर्धन पहलों को शुरु किया है। सी.डी. 4 जांच को मुफ्त बनाया गया; बालरोगविज्ञान संबंधी ए.आर.वी. के परिक्षेपी एफ.डी.सी, द्वितीय पंक्ति के ए.आर.टी., एच.आई.वी. अरक्षित बच्चों की देखभाल और आरंभिक नवजात निदान (ई.आई.डी.), उत्कृष्टता केन्द्र (सी.ओ.ई./प–सी.ओ.ई.), ए.आर.टी. प्लस, लिंक ए.आर.टी. केन्द्र (एल.ए.सी./एल.ए.सी.+) को उपलब्ध कराया गया। तकनीकी मोर्चे पर, परियोजना 500 से कम सी.डी. 4 काउंटकी दिशा में क्रमविकसित हुई, स्टेवूडाइन फेज आउट, एच.आई.वी.–टी.बी. समन्वय के सुदृढ़ीकरण, पी.पी.टी.सी.टी. दिशानिर्देशों के संशोधन और "लक्षित वायरल लोड" की अवधारणा का अनुकूलीकरण किया गया। अब हम आगे बढ़कर 500 सी.डी. कटऑफ एवं जांच पर आ चुके हैं और के.पी. हेतु उपचार कार्यनीति अब अनुमोदित की जा चुकी है। 2016 में तृतीय पंक्ति के ए.आर.टी. भी उपलब्ध करा दिए गए थे जो भारतीय ए.आर.टी. परियोजना को विश्व में सर्वश्रेष्ठ के बराबर बनाते हैं।

किसी भी सेवा प्रदायगी का एक महत्त्वपूर्ण घटक क्लायंट की संतुष्टि एवं देखभाल की उत्कृष्टता है। ए.आर.टी. परियोजना में मौके पर निगरानी एवं परामर्श का एक सुदृढ़ एवं अनूठा तंत्र है। समय–समय पर, परियोजना ने विभिन्न उत्कृष्ट अभियान आरंभ किए हैं, जैसे 2011 में "आंकड़े पूरे करने का अभियान", 2012 में "हम आपकी परवाह करते हैं" और 2013 में "उत्कृष्ट देखभाल उपलब्ध कराना" के अपने आदर्शवाक्य की शपथ, आदि।

राज्यों में राज्य शिकायत निवारण समितियों (एस.जी.आर.सी.) की स्थापना एक अनूठा मॉडल था जिसने राज्यों द्वारा सेवाओं की गुणवत्ता और अपनापन सुनिश्चित किया। सितंबर 2013 में परियोजना ने "सघन एल.एफ.यू. निगरानी" के संबंध में एक विशालकाय राष्ट्रव्यापी अभियान भी आरंभ किया। परियोजना ने ए.आर.टी. केन्द्रों एवं अपने द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं का एक राष्ट्रव्यापी मूल्यांकन भी किया है और सभी ए.आर.टी. केन्द्रों में एक "आँकड़े सत्यापन कवायद" की है।

डॉ. आर.एस. गुप्ता, डी.डी.जी. (बी.एस.डी. एवं सी.एस.टी.) और डॉ. बी.बी. रेवाड़ी, वैज्ञानिक, डब्ल्यू.एच.ओ. टीम के साथ जवाहरलाल नेहरु स्टेडियम में प्रदर्शनी में

ए.आर.टी. परियोजना ने हमें कुछ बहुमूल्य जन स्वास्थ्य सबक भी सिखाए हैं। इसने दिखाया है कि जन स्वास्थ्य विधि के साथ विशालकाय पैमाने पर ए.आर.टी. आरंभ करना संभव है। परिणामों की सख्त निगरानी और परिणाम आधारित प्रबंधन के सिद्धांतों का अनुपालन करते हुए एक परियोजना विधि में सख्ती के साथ इसे क्रियान्वित करना संभव है। सुदृढ़ एम. एंड ई. टूल्स और कंप्यूटरीकृत सूचना प्रबंधन प्रणाली आंकड़ों के सही विश्लेषण के द्वारा मध्यावधि शोधनों में सहायता करती है। परियोजना ने हमें नागरिक समाज, पॉजीटिव लोगों के नेटवर्क, गैर–सरकारी संगठनों, समकक्षों एवं प्रमुख आबादियों के साथ सुदृढ़ सहबद्धता का महत्त्व दिखाया है।

हम ए.आर.टी. को बढ़ाने के ऐसे दौर में हैं जहां हम बहुत कुछ हासिल कर चुके हैं लेकिन याद रखिये कि हमें अपनी उपलब्धियों से असावधान नहीं बनना है और हमारी सफलता हमारी शत्रु नहीं बननी चाहिए। वहां आगे के मार्ग में विशालकाय चुनौतियाँ मौजूद हैं। सर्वत्र व्याप्ति, विकेन्द्रीकरण, प्राथमिक देखभाल के स्तर तक पहुँचना, नई दवाओं/पथ्य की उच्चतर कीमतें, सामान्य वायरल लोड की निगरानी में चुनौतियाँ, औषध सह–सतर्कता और दवा प्रतिरोधी परियोजना स्थापित करने के साथ सवंर्धित संख्या अधिक प्रतिबद्धता, अधिक कड़े परिश्रम और अधिक संसाधनों की आवश्यकता रखती है।

वहां श्री नेल्सन मंडेला के सुप्रसिद्ध शब्द मौजूद हैं, "बड़े पहाड़ पर चढ़ने के बाद ही व्यक्ति को पता चलता है कि अभी तो अनेक और पहाड़ों पर चढ़ना बाकी है।" दस लाख रोगियों तक का यह सफर आसान नहीं था और अगले दस लाख तक का सफर और भी ज्यादा कठिन होगा। अब सर्वत्र पहुँच का लक्ष्य है जिसके लिए भारत सरकार सभी अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रतिबद्धता दे चुकी है। इसलिए, आइये, हम सभी 21 लाख को ए.आर.टी. उपलब्ध कराने पर अपना ध्यानएकाग्र रखते हैं। यह सफर पूरा नहीं हुआ है और तब तक जारी रहेगा जब तक कि हम 2030 तक एक जन स्वास्थ्य खतरे के रूप में एड्स को समाप्त करने में समर्थ नहीं हो पायें।

विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में, हमने पी.एल.एच.आई.वी. के लिए कलंक मुक्त परिवेश सुनिश्चित करने, सभी पॉजीटिव व्यक्तियों के लिए उत्कृष्ट देखभाल एवं उपचार सुनिश्चित करने, नए संक्रमणों को उल्लेखनीय रूप से कम करने हेतु कार्य करने, बच्चों के बीच संक्रमण का उन्मूलन करने और एड्स के विरुद्ध अपने संघर्ष को इसके उन्मूलन तक आगे बढ़ाने के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने की शपथ ली है। हम 1 दिसंबर 2030 को विजय दिवस के रूप में मनाएंगे, न कि विश्व एड्स दिवस के रूप में। आइये, हम हाथ मिलायें, साथ मिलकर कार्य करें, लक्ष्यों को हासिल करें और जीवन की रक्षा करें।

डॉ. बी.बी. रेवाड़ी, डब्ल्यू.एच.ओ और सी.एस.टी. डिवीजन

संरक्षकः डॉ. अरुण के. पांडा, अपर सचिव एवं महानिदेशक, नाको, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संपादकः डॉ नरेश गोयल डी. डी. जी. (एल.एस एवं आई.ई.सी)

संपादक मंडलः डॉ. नीरज ढींगड़ा, डी.डी.जी. (टी.आई. एवं एम. एंड ई.), डॉ. आर.एस. गुप्ता, डी.डी.जी. (सी.एस.टी. एवं बी.टी.एस.), डॉ. के.एस. सचदेवा, डी.डी.जी. (बी.एस.डी., एस.टी.आई. एवं अनुसंधान), डॉ. शोभिनी रंजन, ए.डी.जी. (एस.टी.आई., एवं रक्त संरक्षा), डॉ. राजेश राणा, राष्ट्रीय परामर्शदाता (आई.ई.सी. एवं मेनस्ट्रीमिंग), सुश्री नेहा पाण्डेय, परामर्शदाता आई.ई.सी. एवं मेनस्ट्रीमिंग

नाको समाचार राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का सूचना पत्र है

9वां तल, चंद्रलोक बिल्डिंग, 36 जनपथ, नई दिल्ली – 110001, दूरभाषः 011–23325343, फैक्सः 011–23731746, www.naco.gov.in

संवादन, डिज़ाइन और निर्माणः विज़ुयल हाउस, ईमेलः tvh@thevisualhouse.in

MOHFW_ India www.mohfw.nic.in www.pmindia.gov.in www.mygov.in www.facebook.com/NACOIndia/

मुफ्त एवं गुप्त एच.आई.वी. परामर्श एवं जांच के लिए नजदीकी सरकारी अस्पताल में एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केन्द्र (आई.सी.टी.सी.) में पधारें

सरकारी अस्पताल में एंटीरेट्रोवायरल थैरेपी सेन्टर में एच.आई.वी. का मुफ्त इलाज उपलब्ध है